भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2440

सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

भारत को वैश्विक एमआईसीई का केंद्र बनाने के लिए लक्ष्य

2440. श्री बाबू सिंह कुशवाहाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा भारत को वैश्विक बैठकों, प्रोत्साहनों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों (एमआईसीई) का केंद्र बनाने के लिए राजस्व सृजन और आगंतुकों की संख्या बढ़ाने हेतु निर्धारित अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों को आकर्षित करने के लिए क्या वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जा रहे हैं;

(ख) सरकार 'हील इन इंडिया' ब्रांड को मजबूत करने के लिए आयुष मंत्रालय और निजी अस्पताल के समूहों के सहयोग से एक एकीकृत स्वास्थ्य और चिकित्सा पर्यटन अवसंरचना का विकास किस प्रकार कर रही है;

(ग) क्या चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से एक अंतर-मंत्रालयी समूह गठित करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) प्रमुख पत्तनों पर क्रूज पर्यटन के लिए आधुनिक तटीय और नदी क्रूज टर्मिनलों के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा पूर्वी एशिया और मध्य पूर्व के अधिक खर्च करने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु विपणन कार्यनीति में किए गए/किए जा रहे विभिन्न उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): पर्यटक स्थलों और उत्पादों के संवर्धन की ज़िम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की है। हालांकि, भारत को एक प्रमुख वैश्विक एम.आई.सी.ई. गंतव्य के तौर पर स्थापित करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने एम.आई.सी.ई. उद्योग के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तैयार किया है। इस पहल के तहत, "मीट इन इंडिया" उप-ब्रांड लॉन्च किया गया है, जिसका विज़न भारत को बड़े सम्मेलन और प्रदर्शनी के हब के रूप में बढ़ावा देना, जागरूकता पैदा करना और देश की एम.आई.सी.ई. क्षमता के बारे में एक सकारात्मक वैश्विक धारणा बनाना है।

(ख) और (ग): पर्यटन मंत्रालय ने चिकित्सा पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप बनाया था, जिसे राज्य सरकारों, संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों, संबंधित मंत्रालयों और संगठनों को भेजा गया था।

फिलहाल पर्यटन मंत्रालय में आयुष मंत्रालय और निजी अस्पतालों की शृंखला के साथ मिलकर एकीकृत निरोगता और चिकित्सा पर्यटन अवसंरचना तैयार करने या चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई अंतर-मंत्रालयीय समूह बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं, अर्थात 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' के माध्यम से देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता देता है। यह केंद्रीय वित्तीय सहायता दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य सरकारों एवं संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर उन्हें दी जाती है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय ने 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजना के तहत क्रूज टर्मिनलों और संबंधित अवसंरचना के विकास के लिए 14 परियोजनाएं और स्वदेश दर्शन योजना के तटीय परिपथ के तहत 10 परियोजनाएं मंज़ूर की हैं। इन परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** में दी गई है।

(ङ): अपनी निरंतर जारी गतिविधियों के तहत, पर्यटन मंत्रालय सोशल मीडिया और वेबसाइट सहित विभिन्न माध्यमों से पूर्वी एशिया और मध्य पूर्व सहित पूरी दुनिया में भारत का एक संपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में नियमित रूप से संवर्धन करता है।

****

अनुबंध

श्री बाबू सिंह कुशवाहा द्वारा भारत को वैश्विक एमआईसीई का केंद्र बनाने के लिए लक्ष्य के संबंध में दिनांक 15.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 2440 के भाग (घ) के उत्तर में **विवरण**

क्रूज टर्मिनलों और संबंधित अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता की योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(लाख रु. में)

क्र. सं.	**वर्ष**	**राज्य का नाम**	**परियोजना का नाम**	**एजेंसी**	**स्वीकृत राशि**
1.	2012-13	तमिलनाडु	चेन्नई पोर्ट में मौजूदा यात्री टर्मिनल में क्रूज यात्री सुविधा केंद्र	चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट	1724.66
2.	2014-15	गोवा	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट में क्रूज टर्मिनल बिल्डिंग	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट	879.04
3.	2016-17	केरल	विलिंगडन द्वीप, कोचीन, केरल में वॉकवे/प्रोमेनेड का विकास	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	901.00
4.	2016-17	केरल	एर्नाकुलम घाट के बर्थ और बैकअप क्षेत्र के उन्नयन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	2141.00
5.	2016-17	महाराष्ट्र	एक पर्यटक गंतव्य के रूप में कानोजी आंग्रे लाइटहाउस के विकास के लिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट को केंद्रीय वित्तीय सहायता	मुम्बई पोर्ट ट्रस्ट	1500.00
6.	2017-18	महाराष्ट्र	इंदिरा डॉक, मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	1250.00
7.	2018-19	गोवा	मोरमुगाओ में आप्रवासन सुविधा में सुधार और मौजूदा क्रूज बर्थ को गहरा करना	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट	1316.40
8.	2018-19	केरल	कोचीन पोर्ट क्रूज टर्मिनल में अवसंरचना का विकास करना	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	120.79
9.	2018-19	केरल	कोचीन नॉर्थ ट्रस्ट वॉकवे पर अतिरिक्त पर्यटन सुविधाओं का निर्माण	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	466.47
10.	2018-19	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम बंदरगाह के बाहरी बंदरगाह में चैनल बर्थ क्षेत्र में क्रूज-सह-तटीय कार्गो टर्मिनल का निर्माण	विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट	3850.00
11.	2019-20	केरल	नए कोचीन पोर्ट ट्रस्ट टर्मिनल में अतिरिक्त अवसंरचना के विकास के लिए सीएफए	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	1029.70
12.	2019-20	उत्तर प्रदेश (वाराणसी और इलाहाबाद-I,	राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2 पर नदी क्रूज के चढ़ने/उतरने के नौ (09) मुख्य बिंदुओं पर घाटों के विकास के लिए सीएफए	आईडब्ल्यूएआई	2803.05

		इलाहाबाद-II), बिहार (भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) और असम (नेमाटी, पांडु, जोगीघोपा और विश्वनाथघाट)	पर्यटन मंत्रालय ने एनडब्ल्यू-2 (ब्रह्मपुत्र) में 4 घाटों के विकास को जारी रखने का अनुमोदन प्रदान किया है।		
13.	2021-22	गोवा	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट (एमपीटी) द्वारा मोरमुगाओ बंदरगाह, गोवा में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रूज जहाजों के लिए सुविधाओं का निर्माण	मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट	5000.00
14.	2021-22	महाराष्ट्र	इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	3750.00

स्वदेश दर्शन योजना के तहत तटीय परिपथ के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

तटीय परिपथ

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	आंध्र प्रदेश	(2014-15)	काकीनाडा - होप आइलैंड - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य - पसारलापुडी - अडुरु - एस यानम - कोटिपल्ली का विकास	67.83
2.	आंध्र प्रदेश	(2015-16)	नेल्लोर - पुलिकट झील - उब्बलमाडुगु जल प्रपात - नेलापट्टू पक्षी अभयारण्य - कोठाकोडुरु - मायपाडु बीच - रामतीर्थम का विकास	49.55
3.	पुडुचेरी	(2015-16)	दुबरियापेट - अरिकमेडु - वीरमपट्टिनम - चुन्नम्बर - नल्लावाडु/नरमबाई - मनापेट - कालापेट - पुडुचेरी - यानम का विकास	58.44
4.	पश्चिम बंगाल	(2015-16)	तटीय परिपथ: उदयपुर - दीघा - शंकरपुर - ताजपुर - मंदारमणि - फ्रेजरगंज - बक्खलाई - हेनरी द्वीप का विकास	67.99

5.	महाराष्ट्र	(2015-16)	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - शिरोडा बीच, सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), देवगढ़ (किला एवं बीच), मितभव तोंडवली, मोचेमद और निवती किला का विकास	19.06
6.	गोवा	(2016-17)	सिंक्वेरिम - बागा, अंजुना - वागाटोर, मोरजिम - केरी, अगुआड़ा किला और अगुआड़ा जेल का विकास	97.65
7.	ओडिशा	(2016-17)	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और तंपारा का विकास	70.82
8.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	(2016-17)	लॉन्ग द्वीप - रॉस स्मिथ द्वीप - नील द्वीप - हैवलॉक द्वीप-बाराटांग द्वीप - पोर्ट ब्लेयर का विकास	27.57
9.	तमिलनाडु	(2016-17)	चेन्नई - मामल्लापुरम - रामेश्वरम - कुलसेकरपट्टिनम- कन्याकुमारी का विकास	73.13
10.	गोवा	(2017-18)	रुआ डी ओरम क्रीक - डोना पाउला - कोलवा - बेनौलिम का विकास	99.35
			कुल	**631.39**

****